दर पे बुला ले श्याम धणी

दर पे बुला ले श्याम धणी,
अब और सहा नहीं जाता है,
अब तेरे दर्शन बिन बाबा,
हमसे रहा नहीं जाता है,
दर पे बुला ले श्याम धणी,
अब और सहा नहीं जाता है।

दर पर आउ, दर्शन पाऊँ,
और कोई दरकार नहीं,
धन दौलत और शानो शौकत,
का भी मन में विचार नहीं,
तुम बिन व्यर्थ है सब कुछ बाबा,
अर्थ समझ ये आता है,
दर पे बुला ले श्याम धणी,
अब और सहा नहीं जाता है।

जद जद ग्यारस आवे बाबा,
मन में मेरे आस जगे,
अब तो दर पे बुलाओगे तुम,
ऐसा मुझको श्याम लगे,
हम तेरे बिन रह नहीं सकते,
तू कैसे रह जाता है,
दर पे बुला ले श्याम धणी,
अब और सहा नहीं जाता है।

तेरे मेरे बीच ये दूरी,
और सही ना जाती है,
तेरे शिवम को दे सांवरिया,
तेरी याद सताती है,
तरस रहे दर्शन को हम,
क्यों ना दरश दिखाता है,
दर पे बुला ले श्याम धणी,
अब और सहा नहीं जाता है।

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/21463/title/dar-pe-bula-lo-shyam-dhani

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |